अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–203 | R.N.I.- UPHIN/2012/45127 | लखनऊ | शनिवार 23 अक्टूबर 2021 | पृष्ठ – 8 | मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

02 अवैध तमंचा,कारतूस सहित 03 अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो रिपोर्ट सीतापुर

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक आर.पी. सिंह द्वारा जनपद में सघन चेकिंग किये जाने एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में थाना महोली,इमलिया सुल्तानपुर व कोतवाली नगर की पुलिस टीमों द्वारा चेकिंग के दौरान 03अभियुक्तों को 02अवैध शस्त्र व 06 कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया है।

लखीमपुर खीरी मामले के एसआईटी प्रमुख और 5 अन्य आईपीएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लखीमपुर खीरी कांड की जांच करने वाले एसआईटी का नेतश्त्व कर रहे उपेंद्र अग्रवाल समेत छह आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। अभी तक डीजीपी मुख्यालय से जुड़े रहे अग्रवाल को डीआईजी देवीपाटन रेंज भेजा गया है। हालांकि, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकुल गोयल ने कहा कि उपेंद्र अग्रवाल एसआईटी के प्रमुख बने रहेंगे। शुक्रवार को ट्रांसफर किए गए अधिकारियों में तीन इंस्पेक्टर जनरल रैंक के और तीन डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल रैंक के हैं।

रिटायर्ड सिपाही को वीडियो कॉल पर किया ब्लैकमेल

लखनऊ(वेब वार्ता)। एक अजीब घटनाक्रम में कृष्णा नगर के एक सेवानिवश्त पुलिसकर्मी को एक महिला ने कथित तौर पर ब्लैकमेल किया, जिसने उसके साथ वीडियो कॉल के दौरान अपने कपड़े उतारना शुरू कर दिया था। इसके बाद पुलिसकर्मी को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को दिल्ली पुलिस से बताया और पैसे मांगे।

सपा सरकार में आतंकवादियों की आरती उतारी जाती थी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर करारा प्रहार किया और कहा कि सपा सरकार में हिंदुओं पर झूठे मुकदमे दर्ज होते थे, राम भक्तों

पर गोली चलवाई जाती थी तथा आतंकवादियों की आरती उतारी जाती थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पिछड़ा मोर्चा द्वारा आज यहां आयोजित 'सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन' में चौहान समाज के लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, ''हमारी सरकार बनी तो सबसे पहला काम किसानों की कर्जमाफी का हुआ लेकिन 2012 में सपा की सरकार का सबसे पहला निर्णय आतंक वादियों से मुकदमा वापस लेने का था। उन्होंने कहा, ''जब सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकार होती है तो उनको अपने परिवार से फुर्सत नहीं होती, वे आतंकवादियों के लिए काम करते हैं जो सपा की सरकार ने 2012 में करके दिखाया था। आतंकवाद की जड़ 1952 में कांग्रेस ने धारा 370 के रूप में जम्मू कश्मीर में रोपी थी।'' योगी ने कहा कि सपा की सरकार में मध्यकाल की याद ताजा हो गई थी जब मंदिरों और मठों पर हमले होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के कार्यकर्ता थानों, तहसीलों में लूट मचाते थे और थाने, तहसील बिक चुके थे। राज्य में अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के पक्ष में लोगों को जागरूक करने की अपील करते हुए योगी ने कहा, ''गांव–गांव में जाकर अलख जगाने की आवश्यकता है कि भाजपा की सरकार क्यों जरूरी है। भाजपा की सरकार रहेगी तो प्रदेश में कोई दंगा करने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा, कोई माफिया जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा और अगर करेगा तो उसकी छाती पर प्रदेश सरकार का बुल्डोजर चलता दिखाई देगा।'' उन्होंने चौहान समाज के लोगों से कहा कि आजादी के बाद उनके समाज से कोई राज्यपाल क्यों नहीं बन पाया और फागू चौहान भाजपा की सरकार बनने के बाद चौहान समाज से पहले राज्यपाल बने। उन्होंने कहा कि दारा सिंह चौहान पिछले साढ़े चार वर्ष से मंत्री बनकर अनवरत कार्य कर रहे हैं और समाज के प्रभुनाथ चौहान को पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया। योगी ने पिछली सरकारों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा, ''पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा क्यों नहीं मिल पा रहा था क्योंकि पिछली सरकारों की नीयत खराब थी। वे नहीं चाहती थीं कि दलित, पिछड़े और गरीब को सुख सुविधा मिले। पिछली सरकारें नहीं चाहती थीं कि हर घर में रसोई गैस हो, हर घर में बिजली हो, इन लोगों ने हर घर में बीमारी दी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के आजमगढ़ से सांसद रहते हुए विकास का कोई कार्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''क्या 1990 में भाजपा की सरकार होती तो रामभक्तों पर गोलियां चलतीं। जिन लोगों ने राम भक्तों पर गोली चलवाई क्या उन्हें आप माफ कर देंगे, भगवान राम माफ नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हमें गौरव की अनुभूति कराने वाला क्षण है। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनना 135 करोड़ भारतीयों के दुनिया के सामने सिर उठाने का अवसर है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार एक–एक करके अपने वादों को पूरा कर रही है और आपका भी दायित्व बनता है कि आप एक–एक परिवार के यहां जाकर कहें कि भाजपा देशहित में जरूरी है।'' योगी ने प्रधानमंत्री के कार्यों की सराहना की और कहा कि कोविड काल में सपा तथा कांग्रेस के नेताओं ने लोगों को गुमराह करने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आस्था का सम्मान करती है और पेशेवर माफिया तथा अपराधियों से सख्ती से निपटने का कार्य करने के साथ ही दंगा मुक्त प्रदेश बनाती है। सम्मेलन को वन मंत्री दारा सिंह चौहान और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अनिल राजभर ने भी संबोधित किया।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 02 अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत जनपद में फर्जीवाड़ा करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों एवं स्वॉट सर्विलांस को दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी क्राइम के निर्देशन में टीमों का गठन किया गया था। जिसमें प्रभारी निरीक्षक को0 देहात एवं स्वॉट सर्विलांस की संयुक्त टीम ने फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 22 फर्जी आधारकार्ड, 02 अदद लैपटाप व 01 अदद पिन्टर बरामद कर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई है। थाना को0 देहात व स्वॉटध्सर्विलांस की संयुक्त टीम ने सुरागरसी– पतारसी कर फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह के 02 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से, 22 अदद फर्जी आधारकार्ड, 02 अदद लैपटाप व 01 अदद पिन्टर बरामद किया गया है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तगणों ने बताया कि हम लोग अपने आर्थिक लाभ हेतु पेन्ट साफ्टवेयर के माध्यम से आधार के पुराने डाटा को मिटाकर नए फर्जी आधार कार्ड बनाते थे। गीता करता 3 में प्रभारी शॉर्ट सुनील कुमार सिंह सर्विलांस टीम उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार

वर्मा माय टीम के साथ श्याम निषाद पुत्र पति राम निषाद निवासी दुल्लापुर थाना नवाबगंज जनपद गोंडा थाना नवाबगंज जनपद गोंडा से किया गिरफ्तार। उक्त अभियुक्तों पर मु0 अपराध संख्या 389/२१,, धारा 419, 420 467 468, 471, 474 ,भारतीय दंड विधान थाना कोतवाली देहात जनपद में पंजीकृत किया गया गिरफ्तार करता टीम ने अभियुक्त लोगों के पास से 22 अगस्त फर्जी आधार कार्ड दो आदत लैपटॉप 1 आदद प्रिंटर प्राप्त किया।

पुलिस अधीक्षक ने परेड व पुलिस लाइन का किया निरीक्षण, शारीरिक रूप से फिट रहने एवं विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु करवाई ड्रिल

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली तथा परेड के टर्नआउट का निरीक्षण कर परेड को दौड़ करवाई। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने टोलीवार ड्रिल का निरीक्षण कर उसे और बेहतर

तरीके से करने के निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने परेड के दौरान जवानों को बलवा ड्रिल, फील्ड क्राफ्ट, मेंढक चाल, क्रॉलिंग व सही शिस्त लेकर फायर पोजीशनध्मोर्चा लेने की ड्रिल करवाई। साथ ही त्यौहारों को सकुशल व शान्तिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी को शाबाशी देकर उत्साहवर्धन किया एवं आगे भी इसी तरह से लगन व मेहनत से कार्य करने, शारीरिकध्मानसिक रूप से फिट रहने व विषम परिस्थितियों में भी खुद को संयमित रखते हुए समस्याओं से निपटने के गुर सिखाए। तदोपरान्त पुलिस अधीक्षक ने डॉग स्वाड, अग्निशमन दल, पीआरवी वाहनों का निरीक्षण किया तथा पीआरवी में उपलब्ध दंगा नियंत्रण उपकरणों की स्थिति को परखकर पुराने हो चुके उपकरणों के बदले पुलिस लाइन स्टोर से नये उपकरण देने हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक ने इसके बाद पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर क्वार्टर गार्ड की सलामी ली। आदेश कक्ष में गार्द कमांडरों के रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन सभागार में परेड में थानोंध्कार्यालयों से आई हुई महिला पुलिस कर्मियों के साथ गोष्ठी कर आई0 पी0 सी0, सी0 आर0 पी0 सी0, विभिन्न अधिनियमों व महिला सशक्तिकरण के संबंध में पूछताछ कर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स, प्रतिसार निरीक्षक, परिवहन शाखा प्रभारी, आरटीसी प्रभारी तथा परेड में आए हुए अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सपा नेता दद्दन खां की अगुवाई में राष्ट्रीय अध्यक्षा जूही सिंह का हुआ जोरदार स्वागत

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा। श्रावस्ती जनपद में सपा पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर अपने काफिले के साथ वापस लौट रही सपा

महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह का आगमन इटियाथोक कस्बे मे स्थित पूर्व ब्लाक प्रमुख ददन खां के आवास पर हुआ यहां पूर्व ब्लाक प्रमुख ददन खां की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में मौजूद सपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्षा जूही सिंह को गुलदस्ता भेंट कर जोरदार स्वागत अभिनंदन किया गया मौके पर मौजूद समर्थकों व पार्टी कार्यकर्ताओं के द्वारा जूही सिंह, ददन खान जिंदाबाद के गगनभेदी नारे लगाए गए इस दौरान यहां मौजूद लोगों से परिचयकात्मक बैठक हुई तथा पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को आगामी 2022 विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती के साथ लगने व सपा पार्टी की एक बार पुनः उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अनवर शकील, मेलबर्न विधानसभा अध्यक्ष यू जनसभा कयूम खान, व्यापार सभा जिला सचिव अजीम वारसी, अकरम वारसी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सोशल ऑडिट टीम के सामने फर्जी आवासों पर हुआ बवाल, प्रधान के जेठ ने हासिल कर लिया आवास

माधौगढ़। पिछले साल के मनरेगा कार्यों के ऑडिट के लिए प्रत्येक गांव में ऑडिट टीम पहुंची रही है। वैसे तो ज्यादातर मनरेगा के काम फर्जी तरीके से हुए हैं लेकिन ग्रामीणों की शिकायत और विरोध करने के बावजूद उन पर कुछ नहीं होता। जिस से हताश होकर ग्रामीण शिकायत ही नहीं करना चाहते लेकिन कुछ मामले ऐसे होते हैं कि जिन्हें जांच अधिकारी भी चाहे कर नजरअंदाज नहीं कर सकते। आवासों के फर्जीवाड़े के मामले में ऑडिट टीम ग्रामीणों के गुस्से को देखती रहती है। ब्लॉक के असहना ग्राम में पर्यवेक्षक अमित गुप्ता एई नहर विभाग के नेतृत्व में ऑडिट टीम ने विकास कार्यों का ब्यौरा ग्रामीणों के सामने रखा तो आवासों के लाभार्थियों के नाम सुनकर ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया। वर्तमान प्रधान के जेठ फूल सिंह पाल पुत्र गौरीशंकर,जो 30 वर्षों से माधौगढ़ में पक्के मकान में रह रहे हैं,उनको आवास दिया गया। हालांकि उन्हें आवंटन पिछले कार्यकाल में हुआ। इस पर बवाल हो गया। ज्यादातर आवासों के लाभार्थियों के नाम पक्के मकान हैं तो कुछ माधौगढ़ नगर में अपना आवास बनाये हैं,उसके बावजूद उन्हें आवास दिया गया। एक ही घर में पिता और इकलौते पुत्र को आवास दे दिया गया। इस फर्जीवाड़े को लेकर ग्रामीणों ने ऑडिट टीम को शिकायत दर्ज कराते हुए मामले को मनरेगा मुख्यालय और प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायत भेजने की बात कही। जिस पर ऑडिट टीम ने फिर आवासों की सूची को आगे पढ़ा ही नहीं। सवाल यह है कि पहले कच्चे मकान वाले को आवास दिया जाएगा या एक ही घर में इकलौते पुत्र और पिता को?

जलशक्ति मंत्री डॉ0 महेंद्र सिंह ने जनपद सीतापुर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

सीतापुर। (सू0वि0) जनपद के एक दिवसीय दौरे पर आये मा0 मंत्री जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन बाढ़

नियंत्रण, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 डा0 महेन्द्र सिंह ने जनपद सीतापुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में मा0 मंत्री जी ने जिलाधिकारी एवं समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन जिन ग्रामों के लोग बाढ़ से प्रभावित हुये है उनको सुरक्षित स्थान पर रखा जाय। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों हेतु उपलब्ध संसाधनों एवं एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0 टीमों की उपलब्धता की भी समीक्षा की। मा0 जल शक्ति मंत्री ने कहा कि राहत एवं बचाव के लिये पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किये जायें तथा राशन किट एवं मेडिकल किट वितरण के लिये पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं जनहानि की भी विस्तृत जानकारी लेकर मा0 जल शक्ति मंत्री ने मुआवजे का त्वरित वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिये। उन्होंने फसल का मुआवजा भी सर्वे कराकर तत्काल वितरित कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कड़े निर्देश दिये कि जो लेखपाल लापरवाही करें उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। पशु चिकित्सकों द्वारा पशुओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा टीकाकरण इत्यादि सुनिश्चित करने के निर्देश भी मा0 जल शक्ति मंत्री ने दिये। प्रकाश, विद्युत, इमरजेंसी लाईट, मोमबत्ती, पेट्रोमैक्स आदि का प्रबंध भी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बाढ़ राहत कार्य में लगी पूरी टीम को पूरी मेहनत के साथ राहत एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों में प्रत्येक गांव स्तर पर एक नोडल अधिकारी की तैनाती की जाये, जो लगातार स्थितियों की निगरानी कर सूचना जिला प्रशासन को उपलब्ध कराये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल कैम्प आयोजन के संबंध में निर्देश दिये। प्रभावित क्षेत्रों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि बांधों के आस–पास के क्षेत्र में भोजन पैकेट एवं राहत किट का वितरण भी सुनिश्चित कराया जाये। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को प्रेरित किया कि प्रभावित लोगों की हर सम्भव मदद करें। शुद्ध पेयजल की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश भी मा0 जल शक्ति मंत्री ने दिये। बाढ़ चौकियों की लगातार निगरानी की जाये तथा सूचनाओं से मुनादी के द्वारा प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अवगत कराया जाये।

दुष्कर्म आरोपी के पिता ने की आत्महत्या, 4 पर ब्लैकमेल करने का केस दर्ज

लखनऊ (वेब वार्ता)। दुष्कर्म के आरोपी के पिता को पैसे के लिए कथित तौर पर परेशान करने के आरोप में चार लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। चारों आरोपियों ने कथित तौर पर एक युवक को दुष्कर्म के फर्जी मामले में फंसाया था और मामले को निपटाने के लिए पिता से 10 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। युवक को कुछ दिन पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। युवक की बहन मधु ने संवाददाताओं से कहा, रात करीब 10 बजे मंगलवार को गंगाराम, संतराम, वीरपाल और सौरभ मेरे पिता खेमाई गौतम से मिलने आए और 10 लाख रुपये देने पर मामला निपटाने की पेशकश की। मेरे पिता गरीब थे और उनके पास पैसे नहीं थे। बुधवार को हमने उन्हें पेड़ से लटका पाया। मधु की शिकायत के आधार पर सरोजिनी नगर पुलिस ने अब चार लोगों को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। सरोजनी नगर के एसएचओ महेंद्र सिंह ने कहा कि गंगाराम, संतराम, वीरपाल और सौरभ के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया और आरोपों की आगे जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

साहित्य, समाज सेवा और राजनीति के अनूठे सिपाही रामकुमार रानोलिया।

अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा रखने वाले लोग जो जनसेवा को भगवान का प्रसाद व आशीर्वाद मान कर निस्वार्थ भाव से नित्य करते रहते हैं,उन्हीं महानुभावों की कड़ी में एक व्यक्तित्व रामकुमार रानोलिया भी है । जिन्होंने गांव का विकास,अंधविश्वास का नाश के साथ समाज के धार्मिक,एवं सांस्कृतिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए स्वयं को समर्पित किया हुआ है। 14 फरवरी,वर्ष 1954 में गांव भेरी अकबरपुर के प्रजापति समाज में माता श्रीमती द्वारका देवी तथा पिता श्री तोखराम के घर जन्मे रामकुमार बचपन से ही विभिन्न सामाजिक व कार्यकलापों में शामिल होने की रूचि रखते रहे । अपने गांव में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करते वक्त उस जमाने में 1 वर्ष में एक ही कक्षा पास करने का नियम था परंतु इनकी प्रखर बुद्धि के आगे खंड शिक्षा विभाग ने नियम बदले और इन्हें 6 माह के अंदर ही कक्षा पास करने का अवसर प्रदान किया और उन्होंने चौथी पांचवी कक्षा एक ही साल 1964–65 में पास की। उकलाना मंडी से10वीं पास कर दयानंद महाविद्यालय हिसार में प्रि–यूनिवर्सिटी मढेदाखिल हुए । इसके अलावा नरवाना आईटीआई से कारपेंटर की ट्रेनिंग ली ।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से मुर्गी पालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया । कॉलेज में एनसीसी की ट्रेनिंग में अपनी प्रतिभा दिखाई और निशानेबाजी में प्रथम स्थान प्राप्त किया । होमगार्ड के तहत भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी । वर्ष 1974 में एन.सी.जिंदल अस्पताल में लिपिक रहे और 1976 में जिला कुमार सभा हिसार का प्रथम गठन होने पर इन्हें सचिव चुना गया इनकी खूबसूरत लिखाई के कारण उसी दौरान मास्टर मिश्री लाल जी ने इन्हें अपने पास सहायक कलर्क/अतिरिक्त अध्यापक के रूप में सीनियर मॉडल स्कूल हिसार में नियुक्ति दिलाई । जिस वक्त समाज में कोई एमएलए नहीं था । उस समय इन्होंने समाज के लिए संघर्षरत प्रोफेसर स्व.परमानन्द जी,स्व.जयनारायण वर्मा जी के साथ मिलकर समाज को जागरूक किया । साथ ही कुम्हार धर्मशाला हिसार में स्थित सभा के कार्यालय मंत्री के रूप में स्थाई रुप से बैठ कर बेरोजगार युवकों का सही मार्ग दर्शन करके आगे बढ़ाया । सामाजिक झगड़ों को समाप्त करने के लिए सार्थक प्रयास किए । प्रयास सफल हुए और वर्ष 1977 में बरवाला विधानसभा से श्री जयनारायण वर्मा जी को जिताया यानि प्रथम प्रजापति विधायक हरियाणा बनाने में सफलता पाई । गांव पंचायत की मनमानी रोकने के लिए और सही कामों के प्रयास की प्रशंसा करने के लिए रानोलिया ने इसी वर्ष 1977 मढें युवा ग्राम विकास समिति भेरीअकबर पुर का गठन किया । और पंचायत द्वारा किए गए गैर कानूनी कार्यों को न केवल उजागर किया बल्कि उन्हें दुरुस्त भी करवाया ।

साल 1982 में इन्होंने बरवाला विधानसभा का चुनाव बतौप्रभारी उम्मीदवार लड़ा 11 उम्मीदवारों में यह मत संख्या के हिसाब से पांचवें नंबर पर रहे। वर्ष 1988 में पंजाब से हरियाणा की ओर फैले आ रहे उग्रवाद को रोकने के उद्देश्यार्थ हरियाणा सरकार के आदेश अनुसार हर गांव में शांति समितियों का गठन किया गया और श्री रानोलिया को भी भेरी अकबरपुर शांति समिति का प्रधान चुना गया । साक्षरता मिशन हिसार के द्वारा चलाए गए अक्षर आंदोलन में उन्होंने बढ़–चढ़कर भाग लिया और केआरपी की ट्रेनिंग लेकर कला जत्था के माध्यम से विशेष प्रचार कार्य किया इसी कारण डी.ओ. हिसार के सानिध्य से तत्कालीन उपायुक्त हिसार श्री पी.डी.बिढान ने सी.वी.ए.स्कूल हिसार कार्यक्रम मढे बुलाकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । इनको कविता लिखने का शौक बचपन से ही था वर्ष 1974 में नाइट कॉलेज दयानंद महाविद्यालय तथा दिन में एक लिपिक के रूप में एनसी जिंदल आई हॉस्पिटल में कार्य करते हुए उनकी पहली पुस्तक अपने ही दर्पण में छपी । समकालीन कवियों श्री निर्दोषी हिसारी जी,भागीरथ जी जख्मी', सज्जन हिसारी जी,श्री चेतराम जी रहवर जी आदि अनेक कवियों के साथ कवि गोष्ठियों में भाग लेते रहे।

घर की आर्थिक हालात दयनीय होने के कारण रामकुमार रानोलिया अधिक ना पढ़ सके और बी.ए. द्वितीय वर्ष में ही पढाई छोड़कर घर गुजारा चलाने हेतु विभिन्न संस्थाओं में नौकरी भी की । वर्ष 1984–85 में हिसार के बुद्धिजीवियों द्वारा श्री आत्माराम गोदारा की प्रधानता में हरियाणा विकास समिति का गठन किया गया । निर्दोष हिसारी जी के मार्गदर्शन में लोक ध्वनि नामक साप्ताहिक अखबार का प्रकाशन भी शुरु हुआ जिसका इन्हें प्रतिनिधि बनाया गया । रानोलिया हमेशा जाति–पाति के विशेष विरोधी रहे हैं । सबको साथ लेकर चलना इनमें विशेष गुण रहा है ,इसी कारण वर्ष 1984–85 में रामकुमार रानोलिया तथा इनकी धर्मपत्नी श्रीमती हरिया देवी को, षमिनी बैंक प्रबंधक समिति भेरीअकबर पुर का एक मुश्तराय से दोनों को सदस्य चुना गया । जाट बाहुल्य गांव में एक गरीब कुम्हार दंपत्ति को यह मान मिलना गांव के इतिहास में अब तक एक रिकॉर्ड है । वर्ष 1994 के पंचायत चुनाव में पूरे गांव ने तय किया कि अब की बार रामकुमार रानोलिया को सरपंच बनाया जाएगा और उनके घर पर जाकर 200 आदमियों ने अपनी मनसा व मौखिक प्रस्ताव पारित बारे रानोलिया जी को अवगत भी कर दिया था । और लगभग तय भी हो गया था कि अब रामकुमार रानोलिया ही अगले सरपंच होंगे । परंतु ड्रा में सरपंच पद आरक्षण महिला के लिए आया । फिर भी गांव के लोग ना माने और उनकी धर्मपत्नी को भी पूरे समर्थन के साथ सरपंच चुन लिया गया और आज तक रामकुमार रानोलिया को सरपंच का ही सम्बोधन व सम्मान देते आ रहे हैं । उस दौरान रानोलिया सरपंच दंपत्ति द्वारा करवाए गए रिकॉर्ड तोड़ कार्यों ने न केवल गांव का नक्शा ही बदल दिया बल्कि काफी दबंग लोगों द्वारा दबाए गए कृषि और गैर कृषि क्षेत्रों को खाली भी करवाया गया ।

अभी पिछले वर्ष से आपने पूरा ध्यान अपनी कलम के साथ गांव की मूल कहानी कहिए या इतिहास,लिखना शुरू किया हुआ है । बहुत बड़ी जिम्मेदारी की बात है यह । हर बात को याद रखना समय के साथ तालमेल बनाकर उपयुक्त शब्दों के साथ लिखना यद्यपि कोई आसान काम नहीं है । परंतु रानोलिया ने आसान काम को चुना ही कब था ? –

संघर्ष का जीव है रानोलिया,और संघर्ष में ही जाएगा ।

जाने से पहले जमाने को,कुछ नया अवश्य दे जाएगा ।

क्या कश्मीर में लौट रहे हैं 1990 के हालात?

–प्रमोद भार्गव–

कश्मीर में आम नागरिकों की आतंकियों द्वारा हत्या ने खौफनाक हालात पैदा कर दिए हैं। यह स्थिति भारत सरकार और सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती है। आतंकी संगठनों ने 18 दिन के भीतर बारह बेकसूर नागरिकों की निर्मम हत्याएं की हैं। इनमें दस गैर–मुस्लिम हैं। इनमें से ज्यादातर उत्तर–प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य–प्रदेश के वे मजदूर हैं, जो ठेला–पटरी लगाकर व मेहनत–मजदूरी करके अपना और परिवार का गुजारा करते हैं। अल्पसंख्यकों और प्रवासियों को लगातार निशाना बना रही ये घटनाएं संकेत देती हैं कि आतंकी गिरोह एक बार फिर घाटी में सक्रिय होकर इस पूरे क्षेत्र को अस्थिर करना चाहते हैं। इन वारदातों की जिम्मेदारी यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट (यूएलएफ) आतंकी संगठन ने ली है। इस संगठन और आतंकियों को न केवल पाकिस्तान का खुला समर्थन मिल रहा है, बल्कि इन वारदातों में पाकिस्तानी और रोहिंग्या घुसपैठियों के शामिल होने की सूचनाएं भी मिल रही हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों व दुर्गा पंडालों में आगजनी व लूटपाट भी इन्हीं रोहिंग्याओं द्वारा किए जाने की पुष्टि हुई है। गोया, नए सिरे से उभर रही इस चुनौती का सामना दृढ़ कठोरता से करना होगा। आतंकियों के साथ इनको छिपकर मदद करने वाले लोगों का भी सफाया जरूरी है। यदि आतंकियों समेत पाकिस्तान से आर–पार की लड़ाई नहीं लड़ी गई तो कश्मीर में सुधार के उपाय बेनतीजा रह जाएंगे।

इसमें कोई दो मत नहीं कि जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद–370 खत्म होने के बाद आतंकवाद पर लगाम और आतंकी संगठनों की कमर टूटी है। बचे–खुचे आतंकियों को खत्म करने के लिए सेना और सुरक्षा बल जान हथेली पर लेकर मुठभेड़ कर रहे हैं। लेकिन वारदातों का यह जो नया सिलसिला शुरू हुआ है, वह इनके कमजोर होने की धारणा को संदिग्ध बनाता है। जिस तरह से गैर–मुस्लिम नागरिकों को पहचान करके चुन–चुनकर मारा जा रहा है, उससे लगता है कि इन दहशतगर्दों को तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे ने उकसाया है। इन हत्याओं का सीधा–सीधा मकसद गैर–कश्मीरियों में ऐसा डर पैदा करना है, जिससे वे घाटी से पलायन कर जाएं। घाटी में करीब पांच से सात लाख स्थानीय हिंदु और प्रवासी भारतीय हैं। दरअसल 1989–90 में कुछ इसी तरह की वारदातों के चलते हिंदु, सिख और डोंगरों को कश्मीर से खदेड़ दिया गया था। उस समय मस्जिदों से भी ऐलान किया गया था कि 'कश्मीर पंडितों के बगैर, कश्मीरी पंडितों की औरतों के साथ' है। अर्थात पंडित अपनी औरतों को छोड़कर भाग जाएं। इस त्रासदी को 32 साल से कश्मीरी विस्थापित भोग रहे हैं। धारा–370 हटने के साथ उम्मीद बंधी थी कि अब हालात बदल जाएंगे, लेकिन लगता है गैर–कश्मीरियों से दुर्भाग्य ने अभी साथ छोड़ा नहीं है।

विस्थापित पंडितों ने एक समय 'पनुन कश्मीर संगठन' के माध्यम से अलग राज्य की मांग की थी। उनका तर्क था कि कश्मीरी पंडित बीते चार सौ साल से पीड़ित समाज हैं। 1989 में उनका जो घाटी से पलायन हुआ था, वह कोई पहली घटना नहीं थी। मुगल शासनकाल में जब निरंकुश औरंगजेब दिल्ली की सल्तनत का सुल्तान था, तब उनका कश्यप ऋषि की इस वादी से पहली बार पलायन हुआ था। जिसे रोकने की कोशिश में सिख गुरू तेग बहादुर को अपना बलिदान देना पड़ा था। क्योंकि उन्हें पंडितों की मदद के दंडस्वरूप इस्लाम स्वीकारने की सजा औरंगजेब ने दी थी। लेकिन इस वीर ने धर्म परिवर्तन अस्वीकार कर दिया था। फिर पठानों के शासन में ज्यादातर कश्मीरी–हिंदु पलायन को विवश हुए। पठानों की जब पराजय हो गई, तब कुछ पंडितों का पुनर्वास भी हो गया था। आजादी के बाद 1948 में पाकिस्तानी हमलों के चलते भी हिंदु बहुल अनेक गांव वीरान हुए और उनके परिजन कश्मीर से भागकर देश के बड़े शहरों में रहने पहुंच गए। अतएव ऐसे बदतर हालात में एक ही समाधान निकलता है कि उन्हें एक अलग केंद्र शासित राज्य मिले, जहां वह निश्चिंतता से रह सकें और उन्हें सुन्नी बहुमत की धमकियों के चलते अपनी जमीन न छोड़नी पड़े। कश्मीर पुनर्गठन के अंतर्गत लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाकर भारत सरकार ने लद्दाखी बौद्ध और अन्य हिंदुओं के साथ न्याय का काम किया है। दरअसल घाटी में अलगाव का जो संकट निर्मित हुआ, उसका एक बड़ा करण हिंदुओं के संख्या बल में कमी और उनका उदार होना भी रहा है। यही स्थिति पूर्वोत्तर के अनेक राज्यों समेत केरल और उत्तर–प्रदेश के 20 जिलों में भी बन रही है। जिसके प्रति भारत सरकार और हिंदुओं को सचेत होने की जरूरत है।

साफ है, कश्मीर देश और वहां की अल्पसंख्यक आबादी के लिए एक नासूर आजादी के बाद से ही बना हुआ है। इसलिए इस गंभीर समस्या का हल जरूरी था। लिहाजा कश्मीर को इन हालातों तक पहुंचाने में तत्कालीन सत्ताधारियों की जो भी मजबूरियां और गलतियां रही हों, उन्हें सुधारने की पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार से पहले की सरकारों को भी करनी चाहिए थी ? लेकिन साहस की कमी के चलते ऐसा संभव नहीं हो पाया। नतीजतन कश्मीर के जिस समाज को गतिशील बनाए रखने की जरूरत थी, उसे आतंक की खूनी इबारतों और पंडितों के विस्थापन ने स्थिर बना दिया। सांस्कृतिक बहुलता भी खत्म कर दी गई। इसी का दुष्परिणाम रहा कि इस स्थिरता ने नासूर को मवाद से भर दिया। जबकि धारा–370 और 35–ए के रूप में जम्मू–कश्मीर को जो विशेष दर्जा दिया गया था, उसकी पहली शर्त कश्मीरियत और मजहबी सद्भाव बनाए रखना था। जिससे पूरे राज्य में सामाजिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक समन्वय व पहचान बने रहें। किंतु सुन्नी बहुमत ने गैर–मुस्लिमों को मार–मारकर भगाने का काम किया। नतीजतन घाटी में तरक्की की राह खुलने की बजाय बंदूकों की खेती और आतंकियों की जमात पैदा होने लगी। इसी का परिणाम रहा कि यह गंभीर मसला पाक से आयातित सांप्रदायिक आतंकवाद स्थानीयता की शक्ल में तब्दील होता चला गया।

जुलाई 2012 में पत्तन में एक मुठभेड़ के बाद मारे गए आतंकवादियों की शिनाख्त हुई तो ये लाशें स्थानीय लड़कों मोहम्मद इब्राहिम जांवरी और निसार अहमद की निकली थीं। जिससे तय हुआ था कि वादी में दहशतगर्दी की नई नस्ल तैयार की जा रही है। इन ताजा वारदातों में एक बार यही नस्ल फिर से देखने में आई है। साफ है, यूएलएफ जैसे आतंकी संगठनों ने घाटी में पहले से कहीं ज्यादा मजबूत जाल तो नहीं फैला दिया ? क्योंकि राज्य पुलिस एवं खुफिया एजेंसियों को ऐसी आशंकाएं पहले से ही थीं। उन्हें ऐसे संकेत व सबूत लगातार मिल रहे थे कि 1989 के बाद जन्मी पीढ़ी जो युवा है, उन्हें आतंकवादी संगठन उग्रवादी बनाने में लगे हैं। यह नस्ल उग्रवाद के गढ़ माने जाने वाले किस्तवाड़ सोपोर, पुलनामा और त्राल में गढ़ी जा रही हैं। हैरानी की बात है कि घाटी के स्थानीय प्रभावशाली नेता और दल इन हत्याओं पर कुछ खुलकर नहीं बोल रहे हैं। महबूबा मुफ्ती आतंकियों के खिलाफ अब तक कुछ भी नहीं बोली हैं। जबकि नेशनल कांफ्रेंस के फारुख अब्दुला कश्मीरियों की हत्याओं को महज कश्मीर के खिलाफ षड्यंत्र जताकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रहे हैं। उन्हें यह भी स्पष्ट कहना चाहिए कि आखिर इस साजिश का रचयिता कौन है ? भारत के सभी विपक्षी दल वामपंथी बौद्धिक संगठन भी मौन हैं। ऐसी विरोधाभासी स्थितियों में घाटी में अमन व खुशहाली लाने के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ती दिखाई देती है।

कश्मीर को बदहाल बनाने में केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही बेतहाशा आर्थिक मदद भी है। यहां गौर करने की बात है कि जब कश्मीर की धरती पर खेती व अन्य उद्योग–धंधे चौपट हैं, तब भी वहां की आर्थिक स्थिति मजबूत कैसे है ? एक रिपोर्ट के अनुसार जम्मू–कश्मीर में देश की मात्र एक फीसदी आबादी रहती है, लेकिन राज्य को 10 प्रतिशत से ज्यादा केंद्रीय आर्थिक सहायता मिलती है। राज्य की कुल आय का 54 फीसदी हिस्सा केंद्र सरकार देती है। वर्ष 2000 से 2016 के दौरान केंद्र ने लगभग 1.14 लाख करोड़ रुपए की कश्मीर को मदद की। सीएजी ने जब इस खर्च की समीक्षा की तो पाया कि 71088 करोड़ रुपए का कोई हिसाब ही नहीं है। तय है, कश्मीर को दी जा रही आर्थिक मदद सूबे की सत्ता पर काबिज बने रहने वाले चंद परिवारों ने हथिया ली है। यहां चौंकाने वाला एक तथ्य यह भी है कि यहां प्रति व्यक्ति खर्च 9661 रुपए है, जो राष्ट्रीय औसत से 3,969 रुपए से तीन गुना अधिक है। यदि कश्मीर में अतिरिक्त आर्थिक मदद पर अंकुश लगाया जाता है तो यह स्थिति भी आतंकवाद और बढ़ती मौजूदा हिंसा को नियंत्रित करने का काम करेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विदेश नीति का कुशीनगर सूत्र

–डॉ. दिलीप अग्निहोत्री–

विदेश नीति का क्षेत्र व्यापक होता है। इसमें इतिहास, भूगोल, नेतश्त्व आदि के अलावा संस्कृति संबंधी तत्व भी प्रभावी होता है। नरेंद्र मोदी के नेतश्त्व में भारतीय विदेश नीति को नया आयाम मिला है। उन्होंने संस्कृति को महत्वपूर्ण तत्व के रूप में प्रतिष्ठित किया है। इसके पहले संस्कृति को लेकर भारतीय नेतश्त्व में संकोच का भाव रहता था। प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ने इस परम्परा को बदला था। नरेंद्र मोदी इस पर अधिक प्रभावशाली रूप में अमल कर रहे हैं।

वे विदेशी शासकों को भगवत गीता की प्रति भेंट करते हैं। भारत आगमन पर उनमें से कई लोग मंदिर गए। अरब देशों में मंदिर बनाये गए। नरेंद्र मोदी उनके उद्घाटन में सहभागी हुए थे। जापान के प्रधानमंत्री काशी की गंगा आरती में सहभागी हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर वार्ता की थी। व्हाइट हाउस की दीपावली चर्चित हुई थी। उन्होंने बौद्ध देशों के साथ सांस्कृतिक आधार पर सहयोग बढ़ाने ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी में गौतम बुद्ध द्वारा बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया गया था। उन्हें बोध गया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सारनाथ में उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया था। उनका महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।

केंद्र व उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार ने इन सभी स्थानों को भव्यता के साथ विकसित किया। यहां विश्व स्तरीय पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन भी इसमें शामिल है। इस समारोह में अनेक बौद्ध देशों के लोग शामिल हुए। श्रीलंका का विशेष विमान यहां उतरा। भारतीय उपमहाद्वीप के अलावा मध्य,पूर्वी और दक्षिण। पूर्वी एशिया में भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। इनकी संख्या पचास करोड़ से अधिक है। चीन, जापान, वियतनाम, थाईलैण्ड, म्यांमार, भूटान, श्रीलंका, कम्बोडिया,मंगोलिया, लाओस,सिंगापुर,दक्षिण कोरिया एवं उत्तर कोरिया सहित तेरह देशों में बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म है। नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया,रूस,ब्रुनेई, मलेशिया आदि देशों में भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं।

नरेन्द्र मोदी ने कुशीनगर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद उद्घाटन के बाद कार्यकम को सम्बोधित किया था। उन्होंने कहा कि विश्व भर के बौद्ध समाज के लिए भारत श्रद्धा और आस्था का केन्द्र है। कुशीनगर इण्टरनेशनल एयरपोर्ट की यह सुविधा उनकी श्रद्धा को समर्पित है। भगवान बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति से लेकर महापरिनिर्वाण तक की सम्पूर्ण यात्रा का साक्षी यह क्षेत्र आज सीधे दुनिया से जुड़ गया है। श्रीलंकन एयरलाइंस के विमान का कुशीनगर में उतरना इस पुण्य भूमि को नमन करने की तरह है। इसके पहले नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस पर आसियान देशों को आमंत्रित कर चुके हैं। इसमें बौद्ध सबसे बड़ा धर्म है। नरेंद्र मोदी ने एक सम्पूर्ण क्षेत्रीय संगठन मेहमान भारतीय गणतंत्र दिवस पर मेहमान बनाया था। आसियान के दस राष्ट्राध्यक्ष,गणतंत्र दिवस में मुख्य समारोह के गवाह बने थे। यह विदेश नीति का नायाब प्रयोग था। जिसे पूरी तरह सफल कहा गया था। इसने आसियान के साथ भारत के आर्थिक, राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों का नया अध्याय शुरू किया था।

महत्वपूर्ण यह था कि सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के निमंत्रण को स्वीकार किया। एक्ट ईस्ट की नीति कारगर ढंग से आगे बढ़ाया गया। चीन विश्वास के लायक नहीं है। इसलिए मोदी ने आसियान देशों के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया। मोदी की इस नीति से न केवल एशिया में चीन के वर्चस्ववादी रुख को धक्का लगा। इनमें से अनेक देश चीन की विस्तारवादी नीति को पसंद नहीं करते। यह बात आसियान में सामान्य सहमति का विषय है। केवल इसके लिए किसी को पहल करने की आवश्यकता थी। मोदी ने साहस के साथ पहल का ये काम किया। भारत और आसियान देशों के बीच अति प्राचीन सामाजिक व सांस्कृतिक रिश्ते रहे हैं। कई आसियान देशों में बौद्ध बहुसंख्यक हैं। सिंगापुर में तो नब्बे प्रतिशत आबादी बौद्धों की है। इसके अलावा इन सभी देशों में रामकथा व्यापक रूप से प्रचलित है। यहां के राजकीय प्रतीकों में रामायण से संबंधित चिन्ह मिलते हैं। इंडोनेशिया के मुसलमान भी रामायण संस्कृति पर विश्वास करते हैं। उन्होंने उपासना पद्धति बदली है, लेकिन अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं छोड़ा। रामलीला का मंचन वहाँ बहुत लोकप्रिय है। ये सब भारत और आसियान देशों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने वाले हैं।

एक्ट ईस्ट नीति की एक अन्य कारण से भी आवश्यकता थी। वह यह कि आसियान का विस्तार भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा तक हो गया था। म्यांमार, कम्बोडिया,लाओस और वियतनाम आसियान के सदस्य बने थे। इससे आसियान भारत के ज्यादा करीब हो गया। स्थापना के समय भारत से इसकी सीमा दूर थी। तब इंडोनेशिया, मलेशिया,फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर इसके सदस्य थे। ब्रुनेई, वियतनाम,म्यांमार बाद में सदस्य बने थे। इसीलिए मोदी ने आसियान को लेकर नीति में बदलाव किया।

सीमा की नजदीकी देखते हुए भू और समुद्री परिवहन को प्रोत्साहन देने के प्रयास किये गए। भारत के सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के माध्यम से आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया। म्यांमार, थाईलैंड,भारत त्रिपक्षीय एक्सप्रेस–वे के द्वारा पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियां आसियान से जुड़ जाएंगी। भारत, नेपाल, बाग्लादेश, भूटान चारों को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण का कार्य जारी है। इसका भी आसियान के साथ परिवहन की दृष्टि से फायदा होगा। सभी आसियान देश आतंकवाद पर भी चिंता जाहिर करते है। इसके मुकाबले के लिए साझा रणनीति बनाने पर सहमति है। समुद्री परिवहन के नियमानुसार आजादी का विषय भी गंभीर है। चीन समुद्री क्षेत्र में नियम विरुद्ध ढंग से अपना हस्तक्षेप बढ़ा रहा है। वह कृत्रिम द्वीप और उनमें सैनिक अड्डों का निर्माण कर रहा है। इससे भी इस क्षेत्र के देशों की परेशानी बढ़ी है। ऐसे में समुद्री क्षेत्र में चीन की दबंगई के मुकाबले हेतु आसियान देश संयुक्त रूप से प्रयास करने पर सहमत हुए। यह तय हुआ कि समुद्री इलाके के न्याय संगत उपयोग के लिए साझेदारी बढ़ाई जाएगी। भारत और आसियान के कानून पर आधारित रणनीति बनाई जाएगी। आसियान में भारत का महत्व और विश्वसनीयता बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ में कहा था कि दुनिया ने युद्ध दिया होगा, लेकिन भारत ने दुनिया को बुद्ध दिया है। जब भगवान बुद्ध की बात करते हैं, तो उत्तर प्रदेश और भारत का यह संदेश दुनिया के कोने–कोने में जाता है। भगवान बुद्ध से जुड़े सर्वाधिक स्थल उत्तर प्रदेश में हम सभी का गौरव हैं। भगवान बुद्ध की राजधानी कपिलवस्तु सारनाथ हो, उन्होंने सबसे अधिक चातुर्मास श्रावस्ती कौशाम्बी संकिसा कुशीनगर भी उत्तर प्रदेश में है। बौद्ध सर्किट की यह परिकल्पना को साकार हो रही है। बौद्ध सर्किट न केवल सड़क मार्ग बल्कि वायु मार्ग से भी जुड़ गया है। इसी क्रम में, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान सरकार के पहले तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे। यह लखनऊ तथा वाराणसी में था। प्रदेश की कनेक्टिविटी भी उस समय करीब पंद्रह स्थानों के लिये थी। आज कुशीनगर प्रदेश का नौवां फंक्शनल एयरपोर्ट है। अब उत्तर प्रदेश पचहत्तर गंतव्य स्थानों पर वायु सेवा के साथ सीधे जुड़ चुका है। कुशीनगर प्रदेश का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बेमौसम बारिश में बह गई खेतिहरों की मेहनत

–डॉ. रमेश ठाकुर–

किसानों पर कुदरत का कहर एकबार फिर बरपा है। इस वर्ष भी बिन मांगी बारिश ने खड़ी फसलों में बेहिसाब तबाही मचाई है। धान कटाई के ऐन वक्त पर हुई बेमौसम की जोरदार बारिश ने खेतों में पकी खड़ी फसल को पानी–पानी कर दिया। हजारों–लाखों हेक्टेयर फसल चौपट हुई। उत्तर प्रदेश का तराई क्षेत्र जिसे धान का कटोरा कहते हैं, वहां बहुतायत रूप से धान की फसल होती है। लेकिन बीते 16–17 अक्टूबर को हुई बारिश ने कई एकड़ फसल को पानी में बहा दी। खेतों में उजड़ती फसल को किसान बेबस होकर बस देखते ही रहे। करते भी क्या, आखिर कुदरत के कहर के आगे भला किसका जोर। बारिश भी ऐसी जोरदार हुई जिसने किसानों को संभलने तक का मौका नहीं दिया। कुछ खेतों की फसल कट गई थी, पर उसे सुरक्षित जगहों तक किसान नहीं पहुंचा पाए, खेतों में भरे लबालब पानी में भीग गया। पानी से भीगा अनाज कुछ ही घंटों में काला पड़ जाता है जिसे कोई खरीदता भी नहीं और न खाने योग्य बचता है।

गौरतलब है, कृषि पर वैसे ही बीते कुछ समय से संकट के बादल छाए हुए है। बारिश ने संकट को और गहरा दिया है। अगर याद हो तो इन्हीं दिनों में पिछले वर्ष भी बारिश हुई थी, तब गनीमत ये थी फसल तकरीबन कट गई थी, कुछ ही शेष बची थी। किसान धान बिक्री के लिए ट्रॉलियों के साथ मंडियों के बाहर खड़े थे जिसमें रखा धान पानी से सड़ गया था। तब सरकार ने मुआवजे के रूप में कुछ महीनों बाद किसानों को लागत से कहीं कम पैसा दिया था। ये बात सभी जानते हैं कि इस तरह का मुआवजा कृषि संकट या किसानों की समस्याओं को नहीं सुलझा सकता। सौ रुपए से ऊपर डीजल का भाव है। बाकी यूरिया, डाया, पोटास जैसी खादों की दोगुनी–तिगनी कीमतों ने पहले ही अन्नदाताओं की कमर तोड़ रखी है। कायदे से अनुमान लगाए तो किसानों की लागत का मूल्य भी फसलों से नहीं लौट रहा। यही वजह है खेती नित घाटे का सौदा बनती जा रही है। इसी कारण किसानों का धीरे–धीरे किसानी से मोहभंग भी होता जा रहा है।

सच्चाई ये है फसलों को उगाने के वक्त बैंकों से लिए लोन को भी किसान नहीं चुका पाते। लोन का भुगतान नहीं करने पर लगातार किसानों द्वारा आत्महत्याओं की घटनाओं को अब हुकूमतें भी गंभीरता से नहीं लेती। गंभीरता से इसलिए नहीं लेती, क्योंकि इसका उपाय उनके पास है नहीं। बेमौसम बारिश से बेहाल और दुखी अन्नदाताओं की परेशानियों का हम–आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते, ये ऐसा वक्त होता है जब धान कटाई के बाद खेत में दूसरी फसल यानी गेहूं की बुआई करनी होती है। इसलिए धान की कटाई दशहरे के आसपास शुरू हो जाती है और दिवाली आने तक खेतों में गेहूं को बीज दिया जाता है। धान को काटने के बाद किसान तुरंत मंडियों में बेचने के लिए भागते हैं, पर वहां भी ठगे जाते हैं। समस्या वहां उनके पीछे–पीछे चली जाती हैं। उस समस्या से मंडी के आड़तियों और बिचौलियों को खूब फायदा होता है। इस वर्ष धान का सरकारी रेट 1940 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित है, लेकिन आढ़ती 1200–1500 सौ के ही आसपास खरीद रहे हैं। क्या ये गड़बड़झाला प्रशासन को नहीं पता ? अच्छे से पता है लेकिन बोलते इसलिए नहीं क्योंकि इसमें उनके हिस्से का अप्रत्यक्ष रूप से मुनाफा छिपा होता है।

बहरहाल, बेमौसम बारिश से कई राज्यों के किसान प्रभावित हुए हैं जिनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के किसान हैं, क्योंकि वहां धान की फसल प्रमुख रूप से उगाई जाती है। हालांकि बारिश से दूसरी फसलों को भी जबरदस्त नुकसान हुआ है जिनमें गन्ना, दालें और सब्जियां प्रमुख हैं। बारिश से धान तो खराब हुआ ही है, साथ ही जमीन में ज्यादा नमी आ जाने से अगली फसल गेहूं की बुआई भी लेट होगी। नमी वाली जमीन में बुआई करने का मतलब बीज जमीन में ही सड़ सकता है। तराई के जिले पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, गांडा, कुछ बिहार के जिले व उत्तराखंडी तराई क्षेत्रफल के अलावा तराई से सटे नेपाल के खेतीबाड़ी वाले क्षेत्र में भी बिन मांगी बारिश ने कहर बरपाया है। यूपी में चुनावी मौसम है, शायद किसानों को राहत देने की तुरंत घोषणाएं हों और मुआवजे का वितरण तत्कालिक रूप से किया जाए। पर, ये सब किसानों की मौजूदा समस्याओं का विकल्प नहीं हो सकता। कागजों में किसानों को सरकारी सुविधाओं की कमी नहीं है। फसलों को एमएसपी पर खरीदने की बातें कही जाती हैं, अन्य फसलों का उचित दाम कागजों में दिया जाता है। लेकिन धरातल पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। दरअसल, सच्चाई तो ये है किसान बेसहारा हुआ पड़ा है। सुख–सुविधाओं से कोसों दूर है। सब्सिडी वाली खाद को भी उसे ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। यूरिया ऐसी जरूरी खाद है जिसके जमीन में डाले बिना फसल उगाना संभव नहीं। उसकी किल्लत से भी उन्हें जूझना पड़ रहा है।

देश में यूरिया की किल्लत एकाध वर्षों से लगातार है, बावजूद इसके यूरिया को पड़ोसी मुल्क नेपाल में ब्लैक करने की खबरें सामने हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही इंडो–नेपाल बॉर्डर पर बीएसएफ ने कई बोरे खाद को जब्त किये थे। फसलों पर जिस तरह से कुदरत की मार सालों–साल पड़ रही है उसे गंभीरता से देखते हुए सरकार को प्रत्येक फसलों पर किसानों को इंश्योरेंस देने की योजना बनानी चाहिए। सदियों से लागू निष्क्रिय पुराने बीमा प्रावधान को रिफॉर्म करने की दरकार है। बेशक इंश्योरेंस प्लान का चार्ज किसानों से वसूला जाए। पर, ऐसी नीति–नियम बनाए जाने चाहिए जिससे किसान बेमौसम बारिश, ओलावश्ष्टि व बिजली गिरने आदि घटनाओं से बर्बाद हुई फसलों के नुकसान से उबर सकें। इससे कृषि पर आए संकट से भी लड़ा जाएगा। क्योंकि इस सेक्टर से न सरकार मुंह फेर सकती हैं और न ही कोई और। कृषि सेक्टर संपूर्ण जीडीपी में करीब बीस–पच्चीस फीसदी भूमिका निभाता है। कायदे

मोतीगंज क्षेत्र वासियों द्वारा प्राइवेट विद्युत कर्मी की मौत पर ग्राम प्रधान के माध्यम से रु88500 का सहयोग राशि मृतक विद्युत कर्मी गुड्डू यादव के परिजनों को सौंपा

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। विगत माह हुए विधुत स्पर्शाघात से प्राइवेट विधुत कर्मी के कर्मचारी गुड्डू यादव की मौत पर गढ़ी ग्राम पंचायत के प्रधान पलक यादव को बुधवार को दिया ग्राम पंचायत गढ़ी के प्रधान अरूणेश यादव उर्फ हरिश्चंद्र ने बताया कि मृतक प्राइवेट लाइनमैन गुड्डू यादव की विगत माह मोतीगंज क्षेत्र से अपने घर

अरूणेश यादव के नेतृत्व में क्षेत्र के सम्मानित लोगों द्वारा जनसहयोग से 88500 रूपये धनराशि को मृतक के पिता रामचेत यादव वा उनकी पत्नी जाते समय रास्ते में फरेंदा चौराहे के पास गिरे विधुत तार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। ग्राम प्रधान ने बताया कि मृतक गुड्डू यादव मिलनसार वा मृदुभाषी स्वभाव का व्यक्ति था जिसकि क्षेत्र के लोगों मे कम समय में ही अच्छी पकड़ वा व्यवहार बन गया था अपने लोकप्रियता के बल पर कम समय में ही लोगों के दिलो मे अपनी पैठ बना ली थी मृतक मनकापुर कोतवाली क्षेत्र के बंदरहा दुमचीपुर का रहने वाला था। इस मौके पर गौरव सिंह, अनुराग सिंह, राकेश बर्मा ने पीड़ित के घर जाकरके सहायता राशि सौपी।

कोविड टीकाकरण में यूपी ने निभायी बड़ी जिम्मेदारी

100 करोड़ की बेमिसाल उपलब्धि में प्रदेश की 12 करोड़ डोज की अहम् भूमिका सभी वर्ग ने अपनी बारी आने पर निभायी पूरी जिम्मेदारी और बन गया रिकार्ड

लखनऊ। वृहस्पतिवार की सुबह ढेर सारी खुशियाँ लेकर आयी, जब देश कोविड टीकाकरण के 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया । 10 माह में 100 करोड़ के विशाल लक्ष्य की इस बेमिसाल उपलब्धि में उत्तर प्रदेश ने करीब 12.21 करोड़ टीके की डोज लगाकर एक बड़ी जिम्मेदारी निभायी है। देश के सबसे बड़े राज्य होने के नाते यूपी को सबसे आगे रहने की जिम्मेदारी का पूरा एहसास था, इसीलिए सभी के सम्मिलित प्रयास से यह मुकाम आसानी से हासिल हो गया और अब शत–प्रतिशत टीकाकरण की दिशा में भी कदम बढ़ चुके हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश के महाप्रबन्धक – टीकाकरण डॉ. मनोज कुमार शुकुल का कहना है कि देश के 100 करोड़ टीकाकरण के विशाल लक्ष्य में अन्य राज्यों के मुकाबले उत्तर प्रदेश ने बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। इसमें जहाँ स्वास्थ्य कर्मियों व फ्रंटलाइन वर्कर ने दिन रात अथक मेहनत की वहीं जब जिसकी बारी आई तब सभी ने अपनी जिम्मेदारी निभाई, जिससे यह बड़ा लक्ष्य आसान बन गया । उनका कहना है कि अब पूरा प्रयास है कि टीकाकरण की श्रेणी में आने वाली प्रदेश की शत–प्रतिशत आबादी का जल्द से जल्द टीकाकरण पूरा किया जाए । आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश की 18 साल से अधिक की करीब 14.74 करोड़ की आबादी के टीकाकरण का लक्ष्य है । इसमें करीब 64 फीसद आबादी यानि लगभग 9.43 करोड़ को कोविड टीके की पहली डोज और करीब 2.78 करोड़ को दूसरी डोज लग चुकी है । इस तरह कुल मिलाकर अब तक करीब 12.21 करोड़ टीके की डोज लग चुकी है । इसी साल 16 जनवरी से शुरू हुए कोविड टीकाकरण के पहले चरण में प्रदेश के करीब 10.09 लाख हेल्थ केयर वर्कर को कोविड का टीका लगना था, जिसमें करीब 9.77 लाख को पहली डोज और इनमें करीब 8.50 लाख को दोनों डोज लग चुकी हैं। इसी तरह दूसरे चरण में करीब 10.43 लाख फ्रंटलाइन वर्कर का टीकाकरण किया जाना था जिसमें 10.34 लाख को पहली डोज लग चुकी है और इनमें करीब 8.10 लाख ने दोनों डोज का लाभ प्राप्त कर लिया है । इसके अलावा 18 से 45 साल आयुवर्ग के करीब 9.97 करोड़ की आबादी में 5.73 करोड़ को पहली डोज और इनमें 1.23 करोड़ को दोनों डोज लग चुकी है । इसी तरह 45 से 60 साल आयुवर्ग की करीब 2.89 करोड़ की आबादी में 2.22 करोड़ को पहली डोज और इनमें करीब 84 लाख को दोनों डोज लग चुकी है। इसी तरह कोविड की लिहाज से सबसे अधिक जोखिम की श्रेणी में आने वाले 60 साल से अधिक के 1.87 करोड़ बुजुर्गों में से 1.27 करोड़ ने पहली डोज और इनमें से करीब 54 लाख ने दोनों डोज की सुविधा प्राप्त की है । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश के कोविड टीकाकरण के ब्रांड एम्बेसडर व किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त का इस बेमिसाल उपलब्धि पर कहना है कि अभी टीकाकरण की रफ्तार को बनाए रखने की जरूरत है क्योंकि कोरोना से समुदाय को सुरक्षित बनाने का यह सबसे कारगर हथियार है । उन्होंने टीकाकरण के साथ ही त्योहारों पर कोविड प्रोटोकाल के पूर्ण पालन की भी अपील की है।

प्रदेश में जश्न का माहौल, सीफार ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। कोविड टीकाकरण के 100 करोड़ के जादुई आंकड़े को पार करने की खबर आते ही वृहस्पतिवार की सुबह से प्रदेश में जश्न का माहौल देखने को मिला। प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज, जिला अस्पतालों व स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर व जनप्रतिनिधियों ने एक दूसरे को बधाई देकर खुशी का इजहार किया। इसी क्रम में स्वयंसेवी संस्था सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) ने प्रदेश के अधिकतर जिलों में हस्ताक्षर अभियान चलाकर इस बेमिसाल उपलब्धि पर स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर व जनसमुदाय को बधाई दी और आभार जताया कि सभी के सम्मिलित प्रयास से ही यह शुभ घड़ी आई है। सीफार ने मीडिया के प्रति भी आभार जताया और कहा कि जनसमुदाय तक उनके व्यापक प्रचार–प्रसार का ही नतीजा रहा कि देश इतने कम समय में इतने विशाल लक्ष्य को हासिल कर सका। मिर्जापुर में मंडलीय चिकित्सालय स्थित टीकाकरण केंद्र पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभु दयाल गुप्ता ने केक काटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया । इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, फर्रुखाबाद, इटावा और कन्नौज में भी सीफार ने इस उपलक्ष्य में हस्ताक्षर अभियान चलाया ।

कांग्रेस के चुनावी छलावे और लोकलुभावन वादे पर कौन करेगा विश्वास : मायावती

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को कांग्रेस के चुनावी वादों को जनता से छल और लोकलुभावन करार देते हुए सवाल उठाया कि इन पर कौन व कैसे विश्वास करेगा, साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) पर भी निशाना साधा है। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट किया ''कांग्रेस ने चुनावी छलावे के तहत भाजपा व सपा की तरह ही अनेक प्रकार के लोक लुभावन वादे करने शुरू कर दिए हैं, जिसके तहत इस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर उत्तीर्ण छात्राओं को स्मार्टफोन व स्कूटी देने की बात कही है, लेकिन मूल प्रश्न यह है कि इन पर विश्वास कौन व कैसे करे।'' मायावती ने अगले ट्वीट में कांग्रेस शासित राजस्थान और पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा, ''कांग्रेस की राजस्थान व पंजाब में सरकार है तो क्या इन्होंने ऐसा कुछ वहां करके दिखाया है जो लोग उनकी बातों पर यकीन करे लें, नहीं किया है तो फिर लोग उनपर विश्वास कैसे करें? यही वजह है कि कांग्रेस व भाजपा आदि पार्टियों के दावों व वादों के प्रति जन विश्वास की घोर कमी है। सिलसिलेवार ट्वीट में पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और भाजपा के वादों का उपहास उड़ाते हुए कहा, ''जनता से छल व वादाखिलाफी के कारण कांग्रेस के बुरे दिन चल रहे हैं तथा इन्हीं कुछ खास कारणों से भाजपा के भी बुरे दिन शुरू हो चुके हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 'अच्छे दिन' का सपना दिखाकर लोगों पर महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि का पहाड़ तोड़ने का खामियाजा तो भाजपा को भी भुगतना पड़ेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बश्हस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा

के आगामी चुनाव के बाद पार्टी की सरकार बनने पर राज्य की छात्राओं को स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक स्कूटी दी जाएगी। प्रियंका ने बश्हस्पतिवार को ट्वीट कर कहा, कल मैं कुछ छात्राओं से मिली। उन्होंने बताया कि उन्हें पढ़ने व सुरक्षा के लिए स्मार्टफोन की जरूरत है। मुझे खुशी है कि घोषणा समिति की सहमति से आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि पार्टी की सरकार बनने पर इंटर पास लड़कियों को स्मार्टफोन और स्नातक लड़कियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी दी जाएगी।

अब मंत्री जी को भी पेट्रोल की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि जनता उन्हें पैदल कर देगी'' : अखिलेश यादव

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के एक मंत्री के बयान पर तंज कसते हुए शुक्रवार को कहा कि ''अब मंत्री जी को भी पेट्रोल की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि जनता उन्हें पैदल कर देगी।'' गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी ने बश्हस्पतिवार को जालौन में पत्रकारों से बातचीत में दावा किया था कि प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से पेट्रोल और डीजल के दाम बहुत कम बढ़े हैं और 95 फीसद लोगों को पेट्रोल की आवश्यकता ही नहीं है। तिवारी ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बारे में पूछे जाने पर कहा था, ष्आज मुट्ठी भर लोग हैं जो चार पहिया गाड़ी से चल रहे हैं, जिनके लिए पेट्रोल की उपयोगिता है। आज समाज के अंदर 95 फीसदी लोग हैं जिन्हें पेट्रोल–डीजल की आवश्यकता नहीं है।ष शुक्रवार को सपा प्रमुख यादव ने एक ट्वीट में कहा, ''उत्तर प्रदेश के भाजपाई मंत्री जी ने कहा कि महंगे पेट्रोल से आम जनता को फर्क नहीं पड़ता क्योंकि 95 फीसदी जनता को पेट्रोल की जरूरत नहीं है। अब मंत्री जी को भी नहीं पड़ेगी क्योंकि जनता उन्हें पैदल कर देगी। सच्चाई तो यह है कि 95 फीसदी जनता को भाजपा की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि '' 'थार' में तो डीजल पड़ता है ना?'' यादव ने यह सवाल पूछकर गत तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा की ओर ध्यान दिलाया जिसमें थार जीप से कुचलने से चार किसानों की मौत हो गई थी। इस मामले में केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के पुत्र आशीष मिश्रा के खिलाफ किसानों की ओर से हत्या और कुचलकर मारने का मामला दर्ज कराया गया। आशीष को पिछले दिनों पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

नगर पंचायत ऊमरी गौशाला की ईओ ने देखी व्यवस्था

अवध की आवाज ब्यूरो

माधौगढ़ जालौन। नगर पंचायत ऊमरी गौशाला का अधिशाषी अधिकारी उत्तम वंशकार ने नगर अध्यक्ष रेखा देवी के साथ मौके पर पहुँचकर व्यवस्था का जायजा लिया इस दौरान ईओ ने गौशाला में कार्यरत कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौवंशो की नियमित देखभाल कर

साफ सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ रखें ताकि सरकार द्वारा बनाया गौ आश्रय व्यवस्था सही रह सके उन्होने यह भी कहा कि कस्बे में अन्ना मवेशियों पर भी निगरानी रखे ताकि सफाई व्यवस्था खराब ना हो हालांकि यदि देखा जाये तो सरकार ने अन्ना गौवंशो से निजायत के तौर पर अस्थायी गौ आश्रय बनवाये है ताकि स्वच्छता के साथ साथ किसानों को होने वाले नुकसान को बचाया जा सके इसके लिए शासन प्रति अन्ना गाय 30 रुपये दिया जायेगा व गौशाला में गायों को टेगकर प्रतिमाह धन मुहायै कराया जायेगा व गौवंशों की देखभाल व सफाई व्यवस्था के लिये सफाई कर्मचारियों को रखा जायेगा। इस दौरान उत्तम वंशवारअधिशासी अधिकारी ने गौवंशो की देखभाल की उन्हे सब कुछ सुचारू रूप से चारा पानी साफ–सफाई सब सही पाया गया चारा – पानी की व्यवस्था की उत्तम व्यवस्था मिली।

अखाड़ा परिषद में फूट, सात अखाड़ों ने चुना अपना अध्यक्ष

प्रयागराज, (वेब वार्ता)। एक बड़े घटनाक्रम में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (एबीएपी) के 13 अखाड़ों में से 7 ने खुद से अध्यक्ष, महासचिव और अन्य पदाधिकारियों का चुनाव कर लिया है। यह बदलाव गुरुवार को हरिद्वार में हुआ। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (एबीएपी) की 25 अक्टूबर को प्रयागराज में बैठक होने वाली थी, जिसमें महंत नरेंद्र गिरि का उत्तराधिकारी चुना जाएगा, जिनका पिछले महीने निधन हो गया था। सूत्रों के अनुसार हरिद्वार में हुई बैठक की अध्यक्षता निर्मल अखाड़े के एबीएपी उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह शास्त्री ने की, जिन्होंने महानिरवाणी अखाड़े के महंत रवींद्र पुरी को अध्यक्ष और निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास को महासचिव बनाने की घोषणा की। इस आश्चर्यजनक कदम ने 13 सदस्यीय अखाड़ा परिषद को प्रभावी रूप से दो समूहों में विभाजित कर दिया है। पहले समूह में सात अखाड़े निर्मोही, निवार्णी, दिगंबर, महानिरवाणी, अटल, बड़ा उदासिन और निर्मल शामिल हैं। दूसरे समूह में छह अखाड़े निरंजनी, जूना, आवाहन, आनंद, अग्नि और नया उदासिन हैं। दिगंबर अनी अखाड़ा के बाबा हठयोगी असंतुष्टों के पहले समूह का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने दम पर पदाधिकारियों का चुनाव करने का फैसला किया क्योंकि उन्हें एबीएपी निकाय में कम प्रतिनिधित्व दिया गया और अक्सर चुनावों में उनकी उपेक्षा की जाती थी। सात अखाड़ों के समूह के संत भी चाहते थे कि एबीएपी के मौजूदा महासचिव महंत हरि गिरि को बदला जाए। इस बीच, महंत हरि गिरि ने पदाधिकारियों की घोषणा को असंवैधानिक करार दिया और किसी भी परिस्थिति में वैध नहीं बताया। दिलचस्प बात यह है कि एबीएपी परंपरा के अनुसार, अगर किसी अध्यक्ष की उसके कार्यकाल में मौत हो जाती है, तो उसका उत्तराधिकारी उसके अपने अखाड़े से ही चुना जा सकता है। प्रयागराज में रहस्यमय परिस्थितियों में मरने वाले नरेंद्र गिरि निरंजनी अखाड़े के मुखिया थे।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से अखाड़ों के बीच तनातनी चल रही है। इस साल की शुरुआत में, तीन अखाड़ों – निर्मोही, निवार्णी और दिगंबर, जो बैरागी वैष्णव परंपरा (शैव परंपरा का पालन करने वाले जूना जैसे अखाड़ों के विपरीत) की सदस्यता लेते हैं। उन्होंने हरिद्वार महाकुंभ के दौरान खुद को एबीएपी से अलग कर लिया था। उन्होंने दावा किया था कि एबीएपी ने राज्य सरकार और मेला प्रशासन के साथ प्रभावी ढंग से उनके मुद्दों को नहीं उठाया। उन्होंने एक महीने के भीतर अखाड़ा परिषद के नए सिरे से चुनाव कराने की भी मांग की थी। एबीएपी में पड़ी फूट का असर अब 25 अक्टूबर को प्रयागराज में होने वाली बैठक पर पड़ रहा है।

गोवा में टीएमसी की तैयारी, ममता बनर्जी करेंगी राज्य का दौरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले सप्ताह गोवा के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगी। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चालीस सदस्यीय गोवा विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल की शुरुआत में होंगे। उन्होंने कहा, ''अपनी उत्तर बंगाल यात्रा से लौटने के बाद, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख 28 अक्टूबर को दो दिवसीय यात्रा पर गोवा के लिए रवाना होंगी। वह गोवा में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगी। हालांकि, उनके यात्रा कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।'' तृणमूल कांग्रेस, इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में अपनी शानदार जीत के बाद, राष्ट्रीय स्तर पर अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश कर रही

है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित गोवा और त्रिपुरा में पैठ बनाने में लगी है।

उ0प्र0 भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड द्वारा संचालित योजना में हित लाभ दिए जाने के प्रकरण में शिकायत पर जांच के लिए जिलाधिकारी ने गठित की जांच समिति

प्रचलित जांच में श्रम प्रवर्तन अधिकारी के माध्यम से मुख्य राजस्व अधिकारी के कार्यालय में दर्ज कराएं आपत्ति–

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। मुख्य राजस्व अधिकारी श्री जयनाथ यादव ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि उ0प्र0 भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड द्वारा संचालित अन्त्येष्टि सहायता योजना व मृत्यु विकलांग एवं अक्षमता पेंशन योजना के अन्तर्गत जनपद गोण्डा में वर्ष–2017 से वर्ष–2021 तक कुल 255 लाभार्थियों को प्रति लाभार्थी 2 लाख 25 हजार रूपया का हितलाभ प्रदान करने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है कि कुछ अपात्रों को भी योजना अन्तर्गत लाभान्वित किया गया है तथा उनसे धनराशि भी ली गयी है। उन्होंने बताया है कि इससे संबंधित शिकायत की जांच जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उनकी अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति द्वारा की जा रही है। समिति में अन्य सदस्य अपर उप जिलाधिकारी प्रथम व श्रम प्रवर्तन अधिकारी गोण्डा हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्ष–2017–18 में 83, वर्ष–2018–19 में 81, वर्ष–2019–20 में 52 तथा वर्ष–2020–21 में 20 एवं वर्ष–2021–22 में अब तक 19 लाभार्थियों सहित कुल 255 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है। इन लाभार्थियों के विरूद्व अथवा हितलाभ के संदर्भ में यदि कोई शिकायत किसी के संज्ञान में हो तो उसे जांच समिति के सदस्यश्रम प्रवर्तन अधिकारी गोण्डा के माध्यम से मुख्य राजस्व अधिकारी के कार्यालय में अपत्तिसूचना दी जा सकती है।

जनपद के अधिकारी ने खाद की कालाबाजारी और अधिक मूल्य पर बेच रहे दुकानदारों पर कसा शिकंजा।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा जनपद में खाद की कालाबाजारी और अधिक मेल पर बेच रहे दुकानदारों पर शिकंजा कसने के लिए गुरुवार को जनपद में जिला अधिकारी ने कई दुकानों का निरीक्षण किया और इस दौरान अखाड़ा जगह से नमूने लिए और बिना सूचना के दुकान पर रखने वाले दुकानदारों को का लाइसेंस निलंबित करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। शासन से निर्देश आने के बाद जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने किसानों डीएपी और एनपीके सही मूल्य पर कराए जाने को सूचित करने के लिए और बड़ा ही रक्षा और अधिकारियों की आशीर्वाद लगाई गई जिला के अधिकारी ने बताया कि छापे में खाद के 38 स्थानों का निरीक्षण किया गया। इसमें से 18 संदिग्ध खाद नमूने लिए गए इसका परीक्षण प्रयोगशाला में कराया जाएगा जांच के समय बिना किसी सूचना के प्रतिष्ठान बंद कर गायब होने के कारण प्रतिष्ठान के लिए नहीं किया जा सका इसकी वजह से उन स्थानों का लाइसेंस निलंबित करते हुए बताओ नोटिस जारी किया गया। निलंबित किए जाने वालों में मेसर्स प्रकाश खाद भंडार गोसाईगंज और मेसर्स किसान खाद भंडार ,महबूबगंज शामिल है।

आजादी के अमृत महोत्सव एवं आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय सेवाएं विभाग, भारत सरकार के निर्देश से त्योहारी सीजन को हुए क्रेडिट आउटरीच कैंपेन का आयोजन मंगलवार २६ अक्टूबर को १० बजे पूर्वाह्न से होटल मैस्कॉट इन गदन खेरा चौराहा लखनऊ कानपुर रोड उन्नाव, संयोजक बैंक ऑफ इंडिया के तत्वाधान में किया जा रहा है ।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी हित धारकों एवं ग्राहकों के बीच केंद्र एवं राज्य सरकार प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत जन समुदायों, किसानों उद्यमियों तथा व्यवसायियों तक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित कर इस आर्थिक मंदी के दौर में आर्थिक गतिविधि को तीव्रता प्रदान करना है। ग्राहकों तक वित्त पोषण के विभिन्न योजनाओं यथा केसीसी, स्वयं सहायता समूह, पीएमस्वनिधि, छन्स्ड , पीएमईजीपी, सुख एवं लघु उद्योग एमएसएमई, मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, कृषि अवसंरचना विकास कोष, पशुपालन, मछली पालन एवं अन्य केंद्र और राज्य की योजना से ग्राहकों को आच्छादित करना है। अग्रणी जिला प्रबन्धक, उन्नाव, प्रमोद कुमार आनन्द ने बताया कि वित्तीय समावेशन के तहत जन समुदाय को सामाजिक सुरक्षा योजना यथा प्रधानमंत्री जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से आच्छादित किया जाना है। कार्यक्रम को सुगम और त्वरित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न बैंकों एवं राज्य सरकार के विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसके माध्यम से योजनाओं की जानकारी लोगों को दी जाएगी। कार्यक्रम के तहत जिलेभर से योजना से लाभ प्राप्त ग्राहक की आने की संभावना है ।अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि मेले के अंतर्गत तकरीबन 900 लोगों को कुल 100 करोड़ की ऋण स्वीकृति एवं 2000 ग्राहकों को बीमा योजना के अंतर्गत आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक, पंकज गुप्ता जी हैं। गरिमामयी उपस्थिति माननीय जिलाधिकारी महोदय उन्नाव, मुख्य विकास अधिकारी श्री दिव्यांशु पटेल , उपायुक्त मनरेगा, उपायुक्त उद्योग एवं अन्य विभागों के अधिकारी ।बैंक ऑफ इंडिया प्रधान कार्यालय से महाप्रबन्धक, अमिताभ बनर्जी , बैंक ऑफ इंडिया कानपुर अंचल के आंचलिक प्रबंधक नीरज तिवारी और भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया केनरा बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं अन्य बैंकों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग,जिला उद्योग केंद्र, जेएसएलपीएस, आरसेटी जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं सभी बैंक अपने विभिन्न योजनाओं से जन समुदाय को अवगत कराएंगे और योजना का लाभ प्रदान करेंगे।

राइज मनी पर घर में मचा 'दंगल', मुख्य घर में इन 4 कंटेस्टेंट्स की एंट्री

मुंबई, (वेब वार्ता)। 'बिग बॉस 15' के लेटेस्ट एपिसोड की शुरुआत 'टिकट टु मुख्य घर' टास्क से होती है, जिसमें तेजस्वी और करन बीबी पॉइंट्स बनाने की कोशिश करते नजर आते हैं। दूसरी ओर विशाल और जय, करन से कहते हैं कि उन्हें प्रतीक को उठाकर पटकना नहीं चाहिए था। टास्क के संचालक देखते हैं कि बीबी पॉइंट्स किस–किसने सही बनाए हैं। इसी पर शमिता की निशांत से बहस हो जाती है।

दूसरी ओर जय भानुशाली इस टास्क के लिए 5 लाख रुपये गंवाने के लिए तैयार नहीं होते और वह फैसला करते हैं कि किसी को टास्क नहीं जीतने देंगे। करन, जय से कहते हैं कि वह उन्हें अपने पास से पैसे देंगे। प्रतीक भी जय को समझाने की कोशिश करते हैं पर जय किसी की नहीं सुनते।

बिग बॉस दूसरे राउंड की घोषणा करते हैं और कहते हैं कि उसकी राशि 7 लाख रुपये है जो सीधे–सीधे प्राइज मनी से कट जाएगी। यह सुनकर अफसाना टास्क खेलने से इनकार कर देती हैं। टास्क शुरू होता है और निशांत पॉइंट्स बनाने के लिए ईशान और माइशा को बुलाते हैं। इसके बाद निशांत, करन कुंद्रा और तेजस्वी को बुलाते हैं। इसके बाद निशांत बाकी जोड़ियों को बारी–बारी से बुलाते हैं। टास्क अच्छे से चल रहाथा कि तभी जय सबके शीट्स फाड़ने लगते हैं। गॉन्ग बजता है और दूसरा राउंड खत्म हो जाता है। निशांत सबके नोट्स देखते हैं और फैसला सुनाते हैं कि सबसे ज्यादा नोट्स करन और तेजस्वी के होते हैं और इसलिए दोनों वह राउंड जीत जाते हैं।

बिग बॉस घोषणा करते हैं कि करन और तेजस्वी ने 'टिकट टु मुख्य घर' टास्क जीत लिया है और वो मुख्य घर में रहेंगे। इसके बाद मुख्य घर का रास्ता खोल दिया जाता है। विशाल कहते हैं कि टास्क के दौरान संचालक निशांत, करन और तेजस्वी के लिए ही खेल रहे थे।

बिग बॉस तीसरे राउंड की घोषणा करते हैं और बताते हैं कि उस राउंड की कीमत 8 लाख रुपये होगी, जो प्राइज मनी से कटेंगे। तीसरे राउंड की शुरुआत होती है और जय फिर से भिड़ जाते हैं। प्रतीक और जय के बीच धक्का–मुक्की हो जाती है। जय, प्रतीक के शीट्स लेकर फाड़ देते हैं। प्रतीक के बाद निशांत, विशाल और शमिता को बुलाते हैं। जय खुद से बातें करते हुए कहते हैं कि ट्रॉफी वह जीत जाएंगे और उससे उन्हें खूब शोहरत भी मिलेगी। लेकिन 50 लाख रुपये भी मायने रखते हैं। इसलिए वह किसी को भी पैसे गंवाकर किसी को भी मुख्य घर में नहीं जाने देंगे।

इसी बात पर प्रतीक और जय की बुरी तरह लड़ाई हो जाती है। राउंड खत्म हो जाता है और निशांत सबके बनाए नोट्स और प्रिंट चेक करते हैं। निशांत तीसरे राउंड में शमिता और विशाल को विजेता घोषित करते हैं। उन दोनों की एंट्री भी मुख्य घर में हो जाती है और बिग बॉस उन्हें बधाई देते हैं। इसी के साथ 'टिकट टु मुख्य घर' कार्य की अवधि खत्म हो जाती है। इसके बाद बिग बॉस जंगल के किचन की गैस सप्लाई शुरू की घोषणा करते हैं और कहते हैं कि सप्लाई कार्य के पूरी तरह से खत्म होने पर बंद कर दी जाएगी।

रात को 1 बजे विशाल, अकासा और सिंबा के साथ मिलकर बात करते हैं। निशांत परेशान हो जाते हैं और रोते हुए प्रतीक से कहते हैं कि उन्हें घर जाना है। प्रतीक पूछते हैं कि आखिर वह रो क्यों रहे हैं और क्या हुआ है, पर निशांत कुछ नहीं बताते और चले जाते हैं। वह बाथरूम में जाकर खूब रोते हैं। रात को करन, निशांत के पास जाते हैं और उनसे रोने की वजह पूछते हैं। निशांत, करन को अपने दिल का हाल बताते हैं। तब करन उन्हें समझाते हैं।

निशांत, प्रतीक से उनके बारे में ही बात करते हैं और उन्हें बताते हैं कि उनकी किस बात से उन्हें परेशानी हुई। वह उन्हें उनके गेम को लेकर समझाने की कोशिश करते हैं। 20वें दिन की शुरुआत एक नई पहेली के साथ होती है। लेकिन प्राइज मनी को लेकर जय भानुशाली की जिद देख सभी घरवाले खिलाफ हो जाते हैं और आपस में बात करते हैं। वहीं निशांत, प्रतीक से कहते हैं कि वह उन्हें अपने हिसाब से मौका देंगे और गेम में पूरी तरह से फेयर होकर खेलेंगे।

करन अपने गुस्से के बारे में तेजस्वी से बात करते हैं। वह प्रतीक से भी गुस्सा होते हैं। तेजस्वी, करन से कहती हैं कि वह प्रतीक को उन्हें इफेक्ट न करने दें। वह कहती हैं कि अबसे वह उनका ध्यान रखेंगी। बाद में शमिता, करन, तेजस्वी और विशाल मिलकर जय को समझाने की कोशिश करते हैं कि वह टास्क के लिए प्राइज मनी कटवाने के लिए तैयार रहें। विशाल, तेजस्वी के बारे में शमिता से बात करते हैं और कहते हैं कि वह खुद को बहुत समझदार मानती हैं और बस 'मैं मैं' करती हैं। बाद में करन कुंद्रा, अकासा से कहते हैं कि वह प्रतीक को समझाएं कि वह स्वार्थी न बनें और थोड़ा सा निशांत के बारे में भी सोचे। निशांत उसका सपॉर्ट कर रहे हैं और इस कारण सभी घरवाले धीरे–धीरे उनके खिलाफ हो रहे हैं। बिग बॉस अनाउंस करते हैं कि कल 'टिकट टु मुख्य घर' का आखिरी राउंड है और उसकी राशि 10 लाख रुपये है जो सीधे–सीधे प्राइज मनी से कट जाएगी। इसके साथ ही एपिसोड खत्म हो जाता है।

धर्म-कर्म

वास्तु के हिसाब से करवाएं दीवारों पर पेंट

दिवाली आने में अब कुछ ही दिन बचे है। दिवाली से पहले ही घरों में साफ–सफाई व पेंट का काम शुरू हो जाता है। दिवाली की तैयारियों के बीच घर की साज–सज्जा और रंग–रोगन करना अच्छी बात है लेकिन दीवारों पर रंग करवाते समय वास्तु का ध्यान जरूर रखें।

पूजा रूम: सबसे पहले बात करते हैं पूजा रूम की, जहां दीवाली पर माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पूजा रूम में पीला, नारंगी, क्रीम और हल्का ब्राऊन कलर करवाना सही होता है। साथ ही मंदिर की छतें सफेद रंग की रखें।

कपल बेडरूम: वास्तु के अनुसार लाल रंग काफी शुभ माना जाता है। पति–पत्नी को अपने कमरे में यही रंग करवाना चाहिए। इससे उनमें प्यार बढ़ता है। मगर गलती से भी डाइनिंग या बच्चे के कमरे में यह रंग न करवाएं।

डाइनिंग रूम: नीले, हरे और पीले रंग खुशी व शांति का प्रतीक है इसलिए डाइनिंग रूम में यही कलर करवाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है।

कमरें: अन्य कमरों में गुलाबी, नीला, हरा, ग्रे, बैंगनी रंग घर के कमरों में करवाना सही होता है।

बच्चों का बेडरूम: बच्चों के कमरे में नारंगी, गुलाबी, नीला या हरा रंग करवाना चाहिए, जो खुशी का अहसास देते हैं।

गेस्ट या ड्राइंग रूम: गेस्ट या ड्राइंग रूम उत्तर–पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इस दिशा में अगर गेस्ट रूम है तो उसमें सफेद रंग होना चाहिए। इसके अलावा आप ड्राइंग रूम में न्यूड कलर करवा सकते हैं।

किचन: किचन की दीवारों पर लाल, संतरी या कोई भी लाइट कलर करवाएं। इससे घर में बरकत बनी रहेगी। मगर किचन में व्हाइट कलर करवाने से बचें।

घर के बाहर का रंग: घर की बाहरी दीवीरों, गेट का रंग सफेद, पीला, ऑफ वाइट, हल्का गुलाबी या संतरी रखें। इससे घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

बाथरूम: बाथरूम की दीवारों का कलर भी घर पर गहरा असर डालता है इसलिए यहां लाइट कलर करवाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

घर का हॉल: घर के हॉल रूम, ऑफिस की दीवारों पर अगर आप पीला रंग करवाते हैं तो यह शुभ फल देता है। आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको घर की उत्तरी दिशा की दीवारों पर हरा रंग करवाना चाहिए।

खिड़की दरवाजे: घर के खिड़की–दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं। भूलकर भी न कराएं ये रंग: डार्क कलर्स जैसे लाल, ब्राउन, ग्रे और काला रंग नहीं करवाना चाहिए। ये रंग अग्नि ग्रहों जैसे राहू, शनि, मंगल और सूर्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे घर की सुख–शांति बिगड़ सकती है। आमतौर पर इन रंगों की तीव्रता काफी ज्यादा होती है, जो घर के एनर्जी पैटर्न को डिस्टर्ब कर सकते हैं।

कर्नाटक के भाजपा सांसद ने आमिर खान के पटाखे संबंधी विज्ञापन पर आपत्ति जताई

बेंगलुरु, (वेब वार्ता)। कर्नाटक से भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने सड़क पर पटाखा न फोड़ने की अपील वाले हालिया विज्ञापन पर आपत्ति जताते हुए टायर प्रमुख सिएट को पत्र लिखा है। उन्होंने आशा व्यक्त

की कि भविष्य में सिएट हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करेगा और उन्हें आहत नहीं करेगा, क्योंकि इस तरह के विज्ञापन हिंदुओं में अशांति पैदा कर रहे हैं।

कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ अनंत वर्धन गोयनका को 14 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में अनंतकुमार ने उस विज्ञापन पर आपत्ति जताई, जिसमें बॉलीवुड स्टार आमिर खान लोगों को सड़कों पर पटाखे न फोड़ने की सलाह देते हैं।

उन्होंने कहा, कंपनी को नमाज के नाम पर सड़कों को अवरुद्ध करने और अजान के दौरान मस्जिदों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण की समस्या का भी समाधान करना चाहिए।

हेगड़े ने कहा, चूंकि आप आम जनता के सामने आने वाली समस्याओं के प्रति उत्सुक और संवेदनशील हैं और आप भी हिंदू समुदाय से हैं। मुझे यकीन है कि आप सदियों से हिंदुओं के साथ किए गए भेदभाव को महसूस कर सकते हैं। हिंदू विरोधी अभिनेताओं का एक समूह हमेशा हिंदू भावनाओं को आहत करता है, जबकि वे कभी भी अपने समुदाय के गलत कामों को उजागर करने की कोशिश नहीं करते हैं।

उन्होंने प्रबंधन से हिंदुओं में अशांति पैदा करने वाली कंपनी के हालिया विज्ञापन पर ध्यान देने का अनुरोध किया।

हेगड़े ने कहा, आपकी कंपनी का हालिया विज्ञापन, जिसमें आमिर खान लोगों को सड़कों पर पटाखे ना फोड़ने की सलाह देते हैं, एक अच्छा संदेश दे रहे हैं। सार्वजनिक मुद्दों के प्रति आपकी चिंता के लिए तालियों की जरूरत है। इस संबंध में, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि सड़कों पर लोगों के सामने आने वाली एक और समस्या का समाधान करें। मुसलमानों से कहिए कि वे शुक्रवार और अन्य महत्वपूर्ण उत्सव के दिनों में नमाज के नाम पर सड़कों को अवरुद्ध न करें। कई भारतीय शहरों में यह एक बहुत ही आम दृश्य है, जहां मुसलमान व्यस्त सड़कों को अवरुद्ध करते हैं और नमाज अदा करते हैं और उस समय, वाहन, एम्बुलेंस और अग्निशामक यातायात जाम में फंस जाते हैं, जिससे गंभीर नुकसान होता है। हमारे देश में हर दिन अजान देते समय मस्जिदों के ऊपर लगे माइक से तेज आवाज निकलती है। शुक्रवार को, मस्जिदों में नमाज लंबी होती है। यह उन लोगों के लिए एक बड़ी असुविधा है, जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, जो आराम कर रहे हैं और पढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं आपसे इस विशेष घटना का संज्ञान लेने का अनुरोध करता हूं, जहां आपकी कंपनी के विज्ञापन ने हिंदुओं में अशांति पैदा की है।

आयुष्मान खुराना-स्टारर अनेक २०२२ में होगी रिलीज

मुंबई, (वेब वार्ता)। अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित अभिनेता आयुष्मान खुराना–स्टारर अनेक, 31 मार्च, 2022 को रिलीज के लिए लॉक

कर दी गई है। आयुष्मान ने कहा कि यह केवल एक बार होता है कि एक अभिनेता एक ऐसी कहानी के साथ आता है, जो उसे अपने आराम क्षेत्र से बाहर लाती है। मैंने हमेशा उपन्यास कहानियों का समर्थन किया है, अनेक ने मुझे नए उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मुझे बहुत गर्व है कि हमने इस तरह की फिल्म बनाई है और इससे भी अधिक भाग्यशाली है कि मुझे इसे शीर्षक देने का मौका मिला। आयुष्मान ने कहा कि अनेक एक नए जमाने का सिनेमा है, जिसमें वह विश्वास करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस विशेष कहानी को बताने के लिए मुझे चुनने के लिए अनुभव सर और भूषण सर का शुक्रगुजार हूं। हमारे जुनून प्रोजेक्ट को दुनिया के सामने लाना बहुत खुशी की बात है। फिल्म को एक स्लीक स्पाई थ्रिलर बताया जा रहा है, जो पूर्वोत्तर भारत की भू–राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

रिलीज की तारीख के बारे में बात करते हुए, सिन्हा ने कहा कि यह एक चुनौतीपूर्ण फिल्म थी और इसे बनाना मुश्किल था। हमने इसे उबड़–खाबड़ इलाके में शूट किया था, लेकिन जो बात इसे खास बनाती है, वह यह है कि टेकअवे बहुत संतुष्टिदायक था। इसके साथ काम करना खुशी की बात थी। आयुष्मान ने फिर से जोशुआ के अपने चित्रण के साथ कहानी में जान फूंक दी है। अनेक भूषण कुमार की टी–सीरीज और अनुभव सिन्हा की बनारस मीडियावर्क्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है।

टॉक शो या वेब सीरीज की मेजबानी कर सकते हैं मांचू मोहन बाबू

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। अनुभवी तेलुगू स्टार मांचू मोहन बाबू को अहा स्ट्रीमिंग सेवा पर एक टॉक शो या वेब सीरीज की मेजबानी के लिए अनुबंधित किया जा सकता है।

अहा का प्रोडक्शन विभाग, एकमात्र तेलुगु ओटीटी प्लेटफॉर्म, एक आगामी वेंचर के लिए मोहन बाबू को पेश करने की योजना बना रहा है। हालांकि, इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि निर्माता टॉक शो या वेब सीरीज की योजना बना रहे हैं या नहीं।

पेडारायुडु अभिनेता अपनी अगली फिल्म सन ऑफ इंडिया के साथ 500 से अधिक तेलुगु फिल्मों में काम कर चुके हैं।

अब, मोहन बाबू अहा द्वारा निर्मित आगामी वेब सीरीज में से एक में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। अगर खबर सही है, तो यह परियोजना मोहन बाबू की ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शुरूआत होगी।

मोहन बाबू की बेटी लक्ष्मी प्रसन्ना मांचू एक फूड शो आह भोजनंबु

की होस्ट के रूप में दिखाई दीं, जिसे अहा पर रिलीज किया गया था। इसलिए, ऐसी चर्चा है कि अभिनेत्री ने सुझाव दिया कि उनके पिता को उनके किसी भी आगामी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाए।

एक अन्य वरिष्ठ तेलुगु अभिनेता बाला कृष्ण नंदमुरी अनस्टॉपेबल नामक एक सेलिब्रिटी टॉक शो की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अहा कुछ दिनों पहले शुरू हुए टॉक शो के लिए अखंड स्टार को लाने में कामयाब रहे हैं।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में लगातार तीसरे दिन व्रद्धि

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार तीसरे दिन 35 पैसे प्रति लीटर की वश्द्धि के बाद शुक्रवार को देश भर में पेट्रोल

और डीजल के दाम अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

सरकारी खुदरा ईंधन विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत रिकॉर्ड 106.89 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 112.78 रुपये प्रति लीटर हो गयी। मुंबई में डीजल अब 103.63 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है जबकि दिल्ली में इसकी कीमत 95. 62 रुपये प्रति लीटर है। कीमतों में बढ़ोतरी का यह लगातार तीसरा दिन है। 18 और 19 अक्टूबर को दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था जबकि उससे पहले लगातार चार दिन कीमतों में हर दिन 35 पैसे प्रति लीटर की वश्द्धि की गयी थी। जहां पेट्रोल पहले ही देश के सभी प्रमुख शहरों में 100 रुपये प्रति लीटर या उससे अधिक का आंकड़ा छू चुका है, डीजल भी एक दर्जन से अधिक राज्यों में उस स्तर को पार कर चुका है और श्रीनगर से लेकर चेन्नई तक कई शहरों में 100 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच गया है। श्रीनगर में डीजल की कीमत 99.49 रुपये प्रति लीटर है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 99.92 रुपये हो गयी है। स्थानीय करों के आधार पर कीमतें राज्यों में अलग–अलग होती हैं। सितंबर के अंतिम सप्ताह में कीमतों में बदलाव में तीन सप्ताह के लंबे अंतराल को समाप्त करने के बाद से, पेट्रोल की कीमतों में यह 19वीं वश्द्धि है और डीजल की कीमतों में 22वीं बार वश्द्धि हुई है। तब से डीजल की कीमत में कुल 7.20 रुपये और पेट्रोल की कीमत में 5.70 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ है।

अमित शाह शनिवार से तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे की शुरुआत करेंगे

श्रीनगर, (वेब वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार से जम्मू–कश्मीर की तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वह यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे,

श्रीनगर–शारजाह की पहली सीधी उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे और दो मेडिकल कॉलेजों की आधारशिला रखेंगे। शाह साथ ही एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। शाह शनिवार को सबसे पहले श्रीनगर पहुंचेंगे,जहां उनके साथ गृह सचिव ए.के. भल्ला, गृह मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अधिकांश केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और आईबी सहित खुफिया एजेंसियों के प्रमुख शामिल होंगे। वह उधमपुर और हंदवाड़ा के लिए दो नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों (जीएमसी) की आधारशिला रखेंगे, जिसके बाद वह श्रीनगर–शारजाह की पहली सीधी उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे और जम्मू शहर में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। वह रविवार को जम्मू में एक आईआईटी ब्लॉक का भी उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री पंच, सरपंच, बीडीसी और डीडीसी सदस्यों सहित पंचायत राज प्रतिनिधियों के साथ एक निधारित बातचीत के अलावा प्रधानमंत्री पैकेज के तहत विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री (पीएमओ), जितेंद्र सिंह व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए शाह के दौरे से पहले पहुंचेंगे। सिंह शुक्रवार को जम्मू पहुंचेंगे और बाद में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए दोपहर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात करेंगे। गृह मंत्री श्रीनगर में एक शीर्ष स्तरीय बैठक भी करेंगे जो आतंकवादियों द्वारा लक्षित नागरिकों की हत्या के बाद पहली बड़ी सुरक्षा समीक्षा होगी। इस बैठक में जितेंद्र सिंह और उपराज्यपाल भी शामिल होंगे। शाह के दौरे से पहले श्रीनगर और जम्मू शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दोनों शहरों में और उसके आसपास अस्थायी जांच चौकियां बनाई गई हैं।

कोविड टीकाकरण पर भारत की उपलब्धि इस महामारी को हराने में दुनिया की मदद करेगी : अमेरिका

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। भारत को कोविड–19 टीके की 100 करोड़ खुराक का आंकड़ा पार करने की उपलब्धि पर अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने बधाई देते हुए कहा कि उसकी इस सफलता से दुनिया को इस वैश्विक महामारी को हराने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष ग्रेगरी मीक्स ने बश्हस्पतिवार को कहा, ''कोविड–19 महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में यह अहम उपलब्धि हासिल करने पर भारत को बधाई।''

उन्होंने कहा, ''औषधि और टीका निर्माण में वैश्विक नेता के तौर पर भारत की सफलता से दुनिया को इस वैश्विक महामारी को हराने में मदद मिलेगी।''

सीनेटर स्वीट डेन्स ने कहा, ''मैं कोविड–19 टीकाकरण के तहत एक अरब खुराक देने की भारत की उपलब्धि से खुश हूं। यह बहुत शानदार उपलब्धि है।''

सांसद रोबिन केली ने कहा कि भारत ने जीवनरक्षक कोविड–19 टीके की अब एक अरब से अधिक खुराक दे दी हैं। उन्होंने कहा, ''यह आशाजनक उपलब्धि है। इस महामारी से उबरने में दुनिया भर में टीकाकरण दर एक महत्वपूर्ण कारक है।''

समाचार पत्र 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने कहा कि एक अरब खुराक की उपलब्धि भारत के टीकाकरण अभियान में बदलाव को दर्शाती है, जो धीमी गति से शुरू हुआ था, क्योंकि तब भारत में सत्तारूढ़ पार्टी ने चुनावों को प्राथमिकता दी थी और वायरस से निपटने में ढीला रवैया अपनाया था, संक्रमण के मामले बढ़ने के बावजूद भीड़–भाड़ वाली राजनीतिक रैलियों को जारी रखा था और धार्मिक उत्सवों के आयोजन को अनुमति दी थी।

भारत की इस उपलब्धि पर विश्व स्वास्थ्य संगठन, इजराइल, भूटान और श्रीलंका के नेतश्त्व ने भी उसे बधाई दी है।

भारत में कोविड–19 टीकों की दी गई खुराकों की संख्या बश्हस्पतिवार को 100 करोड़ का आंकड़ा पार गई थी और इसी के साथ देश ने कोरोना वायरस के खिलाफ अपने टीकाकरण कार्यक्रम में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली।

बाढ़ के कारण नाव से अस्पताल ले जायी जा रही महिला ने रास्ते में ही बच्ची को जन्म दिया

बहराइच, (वेब वार्ता)। बहराइच जिले में भारी बारिश व बाढ़ जैसे हालात के कारण पानी भर जाने व सभी मार्ग बंद होने पर नाव से अस्पताल ले जाई जा रही गर्भवती महिला ने राह में ही बच्ची को जन्म दे दिया। जच्चा–बच्चा दोनों सुरक्षित व स्वस्थ हैं। जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र सिंह ने प्रसव कराने वाली स्वास्थ्य कर्मी सत्यवती को प्रशस्ति–पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। जिलाधिकारी सिंह ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल व बहराइच में हुई अधिक वर्षा के कारण जिले में नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। इस कारण जिले में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि हालात का जायजा लेने व स्थलीय निरीक्षण के लिए बृहस्पतिवार को वह मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित नेपाल सीमावर्ती सुजौली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे थे। उसी समय वहां महिला स्वास्थ्य कर्मी (एएनएम) सत्यवती एक महिला व उसकी नवजात बच्ची को लेकर पहुंची। जिलाधिकारी के अनुसार बाढ़ के चलते सुजौली थाना क्षेत्र के नौकापुरवा गांव में पानी भर जाने व सभी मार्ग बंद हो जाने के कारण गर्भवती महिला को प्रसव हेतु नाव से सुजौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लाया जा रहा था। नाव पर एएनएम सत्यवती भी सवार थीं। इसी दौरान गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गयी। सिंह के अनुसार एएनएम सत्यवती ने विपरीत हालात में, एक बैनर से नाव पर पर्दे की व्यवस्था कर सुरक्षा घेरा बनाया। उन्होंने बताया कि सत्यवती ने महिला की जान तो बचा ही ली, साथ ही नाव पर सुरक्षित प्रसव भी करा दिया। प्रसव के बाद इलाज व देखरेख हेतु महिला व नवजात को लेकर एएनएम अस्पताल पहुंच गयीं। जिलाधिकारी ने बताया कि सत्यवती को उनके विवेकपूर्ण साहसिक कार्य के लिए प्रशस्ति–पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। धात्री महिला व नवजात बच्ची को भी उपहार स्वरूप नगद राशि दी गयी है। निरीक्षण के दौरान सुजौली पीएचसी पर तैनात चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार के ड्यूटी पर मौजूद न मिलने के कारण डीएम ने उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।